COPYRIGHT RESERVED

Degree (Part-1) Examination 2021
(Session 2020-23)
B.A. (Subsidiary)
Philosophy

Time : Three Hours] *[Maximum Marks : 100*

नोटः परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें। सभी प्रश्नों के मान बराबर है। किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए; जिनमें प्रश्न संख्या–1 अनिवार्य है।

Note: Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable. The questions are of equal value. Answer any five questions in which Q.No-1 is compulsory.

1. निम्नलिखित में से सही उत्तर का चयन कीजिएः

Select the correct answer of the following:

(a) न्याय दर्शन के प्रणेता कौन है?

Who is the founder of Nyaya Philosophy?

(i) कणाद

Kanad

(ii) गौतम

Gautam

(iii) कपिल

Kapil

(iv) मंडन

Mandana

(b) निम्नलिखित में से कौन सा नास्तिक दर्शन नहीं है?

Which of the following is not a heterodox Philosophy?

(i) सांख्य

Sankhya

(ii) जैन दर्शन

Jainism

(iii) चार्वाक

Charvaka

(iv) बौद्ध दर्शन

Buddhism

(c) शंकर के मायावाद का खण्डन किसने किया है?

Who has refuted Shankara's Mayavada?

(i) गौतम

Gautam

(ii) रामानुज

Ramanuja

(iii) कणाद

Kanad

(iv) कपिल

Kapil

(d) भारतीय दर्शन का कौन सम्प्रदाय अनुमान को एक यथार्थ प्रमाण के रूप में स्वीकार नहीं करता है?

Which School of Indain Philosophy does not accept inference as a source of valid knowledge?

(i) सांख्य

Sankhya

(ii) न्याय

Nyaya

(iii) जैन

Jain

(iv) चार्वाक

Charvaka

2. क्या भारतीय दर्शन निराशावादी है? विवेचना करें।

Is Indian Philosophy pessimistic? Discuss.

3. शंकर के अनुसार 'ब्रह्म' के स्वरूप की व्याख्या कीजिए।

Explain the nature of 'Brahman' according to Shankara.

4. सांख्य दर्शन के सत्कार्यवाद की विवेचना कीजिए।

Discuss Satkaryavada of Sankhya Philosophy.

5. न्याय दर्शन के अनुसार अनुमान के प्रकारों की विवेचना करें।

Discuss the types of inference according to Nyaya Philosophy.

6. चार्वाक दर्शन की ज्ञानमीमांसा की विवेचना कीजिए।

Discuss the epistemology of Charvaka Philosophy.

7. बौद्ध दर्शन के चतुर्थ आर्य सत्य की व्याख्या करें।

Explain the fourth Noble Truth of Buddhism.

8. जैन दर्शन के अनुसार जीव की अवधारणा की व्याख्या करें।

Explain the concept of Jiva according to Jain Philosophy.

9. वैशेषिक दर्शन के अनुसार अभाव के विभिन्न प्रकारों पर प्रकाश डालें।

Bring light on various kinds of non-existence according to Vaisheshika Philosophy.

10. रामानुज के अनुसार ब्रह्म की अवधारणा की व्याख्या करें।

Explain the concept of Brahman according to Ramanuja.

****